vinetur

# Castel Group पर पारिवारिक विवाद ने लिया सीमा-पार कानूनी लड़ाई का रूप

Le Monde के मुताबिक, Romy Castel वाइन और बीयर साम्राज्य पर नियंत्रण के लिए फ्रांस से सिंगापुर तक की अदालतों में रिश्तेदारों से लड़ रही हैं

रविवार, 22 नवंबर 2026



Castel Group पर नियंत्रण को लेकर चल रही पारिवारिक और कानूनी लड़ाई ने फ्रांस की प्रमुख वाइन कंपनियों में से एक और बीयर की बड़ी कंपनी को झकझोर दिया है। इस संघर्ष ने ऐसे समूह के भीतर दुर्लभ सार्वजनिक टकराव को सामने ला दिया है, जो लंबे समय से कम सार्वजनिक चर्चा के साथ काम करता आया है।

Le Monde की रिपोर्ट के अनुसार, यह विवाद करीब एक साल से गहराता जा रहा है और फ्रांस, स्विट्ज़रलैंड, लक्ज़मबर्ग तथा सिंगापुर तक फैल चुका है। अखबार ने Pierre Castel द्वारा स्थापित कंपनी के भीतर असाधारण रूप से कड़वी लड़ाई का वर्णन किया है। अदालती कार्रवाइयों, निजी आरोपों, वकीलों, सलाहकारों और एक-दूसरे के खिलाफ चलाए जा रहे संचार अभियानों ने समूह को अलग-अलग दिशाओं में खींच दिया है।

विवाद का केंद्र उस कारोबारी साम्राज्य पर नियंत्रण है, जिसे Pierre Castel ने दशकों में खड़ा किया। Le Monde के मुताबिक, कानूनी लड़ाई में उनकी इकलौती बेटी Romy Castel और परिवार के वाइन कारोबार से जुड़े उनके कई चचेरे-भाई-बहन, DF Holding के प्रमुख के सामने हैं। उपलब्ध जानकारी में अदालतों के समक्ष रखे गए सभी दावों का ब्योरा नहीं है, लेकिन इसमें शामिल विभिन्न न्यायक्षेत्रों की व्यापकता बताती है कि यह संघर्ष महज पारिवारिक मतभेद से कहीं आगे जा चुका है।

यह टकराव परिवार की एक खास पृष्ठभूमि के बीच सामने आया है। 17 अक्टूबर को दक्षिणी पुर्तगाल में Pierre Castel के घर पर उनके 100वें जन्मदिन के मौके पर एक छोटा समूह जुटा। Le Monde के अनुसार, इस आयोजन में करीब 20 मेहमान शामिल हुए, जिनमें Romy Castel और विस्तृत परिवार के दो भतीजे Alain Castel तथा Philippe Castel भी थे। वहां गुब्बारे, जन्मदिन का केक और Pierre Castel, 100 years शब्दों से खुदा एक पीपा था।

52 वर्षीय Romy Castel ने अक्टूबर के आखिर में Le Monde को एक दुर्लभ इंटरव्यू दिया और कहा कि यह आयोजन उनके पिता के लिए भावुक कर देने वाला था। उन्होंने कहा कि समूह से जुड़े लोग अब भी उनके प्रति गहरी कृतज्ञता रखते हैं, भले ही वह अब कारोबार में सक्रिय नहीं हैं। उन्होंने अखबार को बताया कि जश्न के दौरान उनके पिता रो पड़े थे, लेकिन उनके शब्दों में, यह खुशी के आंसू थे।

यह निजी दृश्य समूह के इर्द-गिर्द जारी लड़ाई से बिल्कुल उलट था। Le Monde ने Castel से करीबी जानकारी रखने वाले एक व्यक्ति के हवाले से बताया कि अब बैंकरों को भी समझ नहीं आ रहा कि किस पर भरोसा करें, क्योंकि दोनों पक्ष बयान और उनके जवाबी बयान जारी कर रहे हैं। उसी व्यक्ति ने कहा कि दोनों खेमे मानो अलग-अलग ग्रहों पर रह रहे हैं—यह इस बात का संकेत है कि विवाद कितना बढ़ चुका है।

समूह के भीतर के तनाव का असर परिवार से कहीं आगे तक जा सकता है। वाइन और बीयर क्षेत्र में Castel की बड़ी हैसियत है, और लंबे समय तक चलने वाला प्रशासनिक विवाद उसके पेय कारोबार की रणनीति तथा निवेश संबंधी फैसलों को प्रभावित कर सकता है। यदि निर्णय लेने की प्रक्रिया धीमी पड़ती है या कानूनी मामले जारी रहने के दौरान बाहरी साझेदार अधिक सतर्क हो जाते हैं, तो ब्रांड, वितरण नेटवर्क और आपूर्तिकर्ता प्रभावित हो सकते हैं।

पेय क्षेत्र में कंपनी का आकार इस अनिश्चितता को खास तौर पर अहम बनाता है। वाइन कारोबार में Castel लंबे समय से फ्रांस की प्रमुख ताकतों में रहा है। बीयर क्षेत्र में भी उसके बड़े हित हैं। इस स्तर पर नियंत्रण को लेकर विवाद से पूंजी के आवंटन, विस्तार योजनाओं के संचालन और फ्रांस तथा विदेशों में कारोबार साझेदारों के साथ प्रबंधन के व्यवहार पर असर पड़ सकता है।

Le Monde ने Gregory Clerc को समूह का मुख्य कार्यकारी अधिकारी बताया है। इससे स्पष्ट होता है कि स्वामित्व की लड़ाई के बीच यह संघर्ष ऐसे सक्रिय कारोबार के इर्द-गिर्द चल रहा है, जिसे रोजमर्रा के प्रबंधन की जरूरत बनी हुई है। लेख में यह संकेत नहीं दिया गया कि सामान्य व्यावसायिक गतिविधियां रुक गई हैं, लेकिन इसमें कंपनी को प्रभाव के परस्पर प्रतिस्पर्धी केंद्रों के कारण बढ़ते दबाव में दिखाया गया है।

Pierre Castel की निजी भूमिका इस समय को और संवेदनशील बनाती है। Le Monde ने उन्हें थका हुआ बताया और कहा कि जीवनभर समूह को लोहे की मुट्ठी से चलाने के बाद अब वह पुर्तगाल में सेवानिवृत्त जीवन बिता रहे हैं। संस्थापक के अधिकार के इर्द-गिर्द बनी परिवार-नियंत्रित कंपनियों में उस केंद्रीय व्यक्ति की पकड़ कमजोर पड़ने पर वे तनाव उजागर हो सकते हैं, जिन्हें वर्षों तक दबाकर रखा गया था। अब Castel ऐसे ही बदलाव का सामना सबकी नजरों के सामने करता दिख रहा है।

यह मामला इसलिए भी असामान्य है कि इसकी लड़ाई कई जगहों पर लड़ी जा रही है। यूरोप और एशिया में फैली कानूनी कार्यवाहियां और विवाद किसी समझौते को कठिन बना सकते हैं, कानूनी खर्च बढ़ा सकते हैं और प्रबंधन तथा कारोबारी साझेदारों के लिए अनिश्चितता लंबी खींच सकते हैं। 22 नवंबर तक, उपलब्ध जानकारी के अनुसार, कोई

सार्वजनिक समाधान सामने नहीं आया था।